जामिया मिल्लिया इस्लामिया
जनसंपर्क एवं मीडिया समन्वयक कार्यालय
प्रेस विज्ञप्ति 01 दिसंबर 2020

जामिया में ‘ सेलिब्रेटिंग डाइवर्सिटीः प्ल्यूरल एपिस्टेमोलॉजी एंड लाइफ वर्ल्ड्स ‘ पर अंतर्राष्ट्रीय ऑनलाइन व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के समाजशास्त्र विभाग की तरफ से ‘सेलिब्रेटिंग डाइवर्सिटीः प्ल्यूरल एपिस्टेमोलोजी एंड लाइफ वर्ल्डस’ थीम पर एक अंतर्राष्ट्रीय व्याख्यान श्रृंखला का ऑनलाइन आयोजन, विश्वविद्यालय के शताब्दी वर्ष समारोह के हिस्से के रूप में किया जा रहा है। यह व्याख्यान श्रृंखला मार्च 2021 तक जारी रहेगी।

इसके तहत 28 नवंबर 2020 को समाजशास्त्री, प्रो बुला भद्र और प्रो बंदना पुरकायस्थ ने इंटरसेक्शनल फेमिनिज़्म की चुनौतियां विषय पर व्याख्यान दिया।

इस श्रृंखला के तहत अक्टूबर और नवंबर 2020 के महीनों में शुक्रवार और शनिवार को व्याख्यान आयोजित किए गए। अब तक, दो महीनों में दस व्याख्यान आयोजित हो चुके हैं।

वक्ताओं ने विविधता के मुख्य विषय को केन्द्रित करते हुए शैक्षिक, सामाजिक सक्रियता, कला, फोटोग्राफी, वास्तुकला, कविता आदि के परिप्रेक्ष्य में अपने विचार रखे।

इस ऑनलाइन व्याख्यान श्रृंखला का उद्घाटन 2 अक्टूबर, गांधी जयंती के दिन किया गया, जिसका विषय था, ‘जामिया के सौ सालः विविधता का जश्न‘ प्रो मोहिनी अंजुम (समाजशास्त्री) और प्रो इनायत अली जैदी (इतिहासकार) इसके मुख्य वक्ता थे। इसमें जामिया के राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय योगदानों पर रोशनी डालने के साथ ही जामिया की विविधता की अवधारणा के प्रति संवेदनशीलता के बारे में विस्तार से बताया गया।

इनके अलावा जो व्याख्यान हुए, वह इस प्रकार हैंः
डॉ इंदु प्रकाश सिंह (लेखक) द्वारा ‘शहर में विविधता‘ पर नौ अक्तूबर को व्याख्यान। डॉ गौरी भारत (आर्किटेक्ट) 16 अक्तूबर को सेलिब्रेटिंग आर्किटेक्चर ऑफ प्लुरल लाइफवाइवर्स ‘ पर व्याख्यान। रघु राय (फोटोग्राफर) ‘हार्ट ऐज़ सेंसर ’ विषय पर 23 अक्टूबर 2020 को व्याख्यान।

राजेश बादल (पत्रकार और फिल्म निर्माता) द्वार 'वो सुब्ह फिर आएगी' पर 31 अक्टूबर को, डॉ कुमकुम श्रीवास्तव (मानवशास्त्री) द्वारा सूफी कविता पर 6 नवंबर को और 7 नवंबर को प्रो राजेश मिश्रा (समाजशास्त्री) का 'विविधता एवं एकता' पर, 20 नवंबर को सुश्री रेणुका सोंधी गुलाटी (कलाकार) द्वार कला में विविधता पर, 21 नवंबर को प्रो मोहम्मद तालिब (समाजशास्त्री) का शैक्षिक चुनौतियां विषय पर व्याख्यान हुए।

समाजशास्त्र विभाग की प्रमुख प्रो मनीषा टी पांडे ने कहा कि व्याख्यान श्रृंखला विविधता में एकता को मनाने की एक कवायद है क्योंकि विविधता जीवन का एक ज़रूरी पहलू है।

सहायक प्रोफेसर, डॉ शारीना बानो इस व्याख्यान श्रृंखला की समन्वयक हैं।

अहमद अज़ीम
जनसंपर्क अधिकारी एवं मीडिया समन्वयक